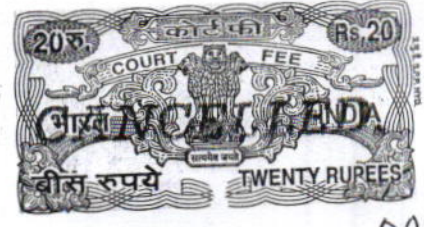


30



BOR  
01 JUN 2018  
व्यय सादर  
का अ.स.  
14-6-18

न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल ग्वालियर म०प्र० सि० न०/  
निकरणी- 4338/2018/टीकमगाढ़/भू.रा.

रामदयाल तनय हर प्रसाद यादव (स्व०)

निकरणी- ग्राम गुडान्दी तहसील जतारा जिला टीकमगाढ़ म०प्र०

--- आवेदक

॥ वनाम ॥

म०प्र० शासन द्वारा तहसीलदार जतारा

--- अनावेदक

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 50 म०प्र० मू- राजस्व संहिता 1959

आवेदक निम्नलिखित प्रार्थना करता है :-

- (1):- यह कि आवेदक द्वारा श्रीमान जयराज यादव को सागर समूह सागर के प्रकरण क्रमांक 398-व - अपील वर्ष 2016-17 आवेदन दिनांक 8-5-2018 से परिवर्द्धित होकर श्रीमान के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है।

श्री राजेश्वर सिंह इंदौर  
सागर  
द्वारा प्रस्तुत  
टीकमगाढ़  
कार्यालय कानपुर, सागर समूह,  
सागर (म.प्र.)

3

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर  
आदेश पृष्ठ  
भाग - अ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 4338/2018/टीकमगढ़/भू0रा10  
रामदयाल विरुद्ध म0प्र0 शासन

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
10-5-2019	<p>आवेदक अभिभाषक श्री राजेश सेन उपस्थित। आवेदक अभिभाषक की ओर से कायमी पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया।</p> <p>2/ प्रकरण में उपलब्ध प्रश्नाधीन आदेश की सत्यापित प्रति एवं दस्तावेजों का अवलोकन किया। प्रश्नाधीन आदेश की सत्यापित प्रति के अवलोकन से स्पष्ट है कि आवेदक द्वारा तहसीलदार के आदेश के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी जतरा के समक्ष 18 वर्ष विलम्ब से अपील प्रस्तुत की गई थी जिसे अनुविभागीय अधिकारी परिसीमा अधिनियम के तहत आदेश पारित कर अपील निरस्त की। अनुविभागीय अधिकारी के आदेश को अपर आयुक्त ने विस्तार से विवेचना कर उचित पाया है। 18 वर्ष के दीर्घकालिक विलम्ब को पर्याप्त एवं समाधानकारक कारण दर्शाये जाने पर ही क्षमा किया जा सकता है। अपर आयुक्त द्वारा पारित आदेश में कोई त्रुटि प्रथमदृष्टया प्रकट नहीं होती है। दर्शित परिस्थितियों में यह निगरानी आधारहीन होने से अग्राह्य की जाती है।</p> <p>पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p>	

3

(आस्. क. जैन) 10/5/19  
सदस्य